न्यूज डायरी

आतंकवाद का सबसे बड़ा समर्थक है पाकिस्तान, पीड़ित बनने का कर रहा ढोंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के एक बार फिर कश्मीर का मुद्दा उठाने को लेकर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तान, आतंकवाद का सबसे बड़ा समर्थक और उसे बढ़ावा देने वाला देश है और खुद को इसका पीड़ित बताने का ढोंग करता है। साथ ही उसे हिंदू , ईसाई, सिख और बौद्ध सहित अपने सभी अल्पसंख्यकों का नस्ली सफाया करना बंद कर देना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की काउंसलर और कानूनी सलाहकार डॉ. काजल भट्ट ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सभी मोर्चों पर लड़े जाने की बात पर जोर दिया और कहा कि सभी सदस्य देशों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी कार्यक्रमों और सम्मेलनों में निहित अपने दायित्वों को पूरा करना चाहिए।

'अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के तरीकों' पर महासभा की छठी समिति (कानूनी) की बैठक में भट्ट ने कहा, मैं इस बात पर निराशा व्यक्त करना चाहती हूं।

दुनिया में मानसिक समस्या से जूझ रहा हर सात में एक बच्चा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयार्क। यूनीसेफ (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) द्वारा जारी एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर के 10 से 19 वर्ष की उम्र के हर सात में से एक बच्चा मानसिक समस्या से पीड़ित है और इसके साथ ही जीवन जीने को मजबूर हो रहा है। यूनिसेफ का कहना है कि कोविड महामारी का भी बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है। इसमें ये भी कहा गया है कि ये असर लंबे समय तक बना रह सकता है। यूनिसेर्फ की इस रिपोर्ट में कई ऐसे तथ्यों को भी पेश किया गया है जो वास्तव में चिंताजनक हैं। यूनिसेफ ने इस ओर ध्यान देने की अपील भी की है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष के मुताबिक बच्चों और किशोरों को मानसिक समस्या से बाहर निकालने के लिए कुछ खास नहीं किया जा रहा है, जो बहुत बुरी बात है। इससे संबंधित संसाधनों में निवेश काफी कम हे। ये चिंता की बात है कि दुनिया में हर वर्ष करीब 46 हजार बच्चे या किशोर आत्महत्या कर लेते हें।

राष्ट्रपति शी चिनफिंग के सामने चीन की समृद्धि को बचाए रखने की है चुनौती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चीन। पिछली सदी के नौवें दशक में जब दुनिया की साम्यवादी सरकारें धराशायी हो रही थीं और उनके द्वारा शासित देश टुकड़ों में बंट रहे थे, तब चीन एकमात्र ऐसी साम्यवादी शासन व्यवस्था वाला देश था, जिसने समृद्धि की ओर कदम बढ़ाना शुरू कर दिया था। उस समय दुनिया भर के मार्क्ष्सवादी विचारकों में चीन की पूंजीवाद की ओर नई शुरुआत को लेकर बहस शुरू हो गई थी। मार्क्सवादी विचारकों का मानना था कि बाजार पर आधारित साम्यवादी अर्थव्यवस्था की तरफ चीन का सफर आत्मघाती साबित होगा। इस रास्ते पर चलकर चीन न तो पूंजीवादी देशों की तरह सफल अर्थव्यवस्था बन सकेगा और न ही साम्यवाद के संसाधनों के समान बंटवारे के मूल सिद्धांत पर कायम रख सकेगा, लेकिन 1978 के बाद शुरू हुए आर्थिक सुधारों के बाद चीन में आई समृद्धि ने मार्क्सवादी विचारकों के मुंह पर ताला लगा दिया।

फ्रांस के चर्च में बच्चों से यौन उत्पीड़न पर पोप शर्मिंदगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस ने फ्रांस में चर्च के अंदर बड़े पैमाने पर बाल यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर बुधवार को दुख जताया। पोप ने कहा कि यह उनके व रोमन कैथोलिक चर्च के लिए शङ्मदगी की बात है। उन्होंने पीडिघ्तों की जरूरतों की पूर्ति में विफलता की बात भी स्वीकार की। पोप वेटिकन में लोगों से नियमित संवाद के दौरान मंगलवार को जारी उस रिपोर्ट पर चर्चा कर रहे थे, जिसमें बताया गया था कि वर्ष 1950 के बाद पादरी वर्ग व चर्च के अन्य पदाधिकारियों ने 3.30 लाख फ्रांसिसी बच्चों का यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से यह बहुत बड़ी संख्या है। पीड़ितों ने जो दर्द व सदमा सहा, उस पर मैं दुख व्यक्त करता हूं। यह मेरे लिए शर्म की बात है, हमारे लिए शर्म की बात है और यह चर्च की अक्षमता है।

चीनी सेना पर हिमालय में जंग पड़ी भारी, बीमारियों से तड़प रहे सैनिक

मंसूबे फेल

चीनी सेना के सबसे बड़े पश्चिमी थिएटर कमांड के कमांडर रहे झांग जुडोंग की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। पूर्वी लद्दाख में भारतीय जमीन पर कब्जा करने की हसरत रखने वाले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को उनका यह सपना बहुत भारी पड़ रहा है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर करीब 50 हजार सैनिक तैनात कर रखे हैं। लद्दाख की भीषण ठंड और कम ऑक्सीजन अब चीनी सैनिकों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। वे पेट से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे हैं। इसी बीमारी की चपेट में आने से चीनी सेना के सबसे बड़े पश्चिमी थिएटर कमांड के कमांडर रहे झांग जुडोंग की मौत हो गई है। वह मात्र 6 महीने ही लद्दाख की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को झेल पाए।

चीन के चर्चित अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि अभी कुछ महीने पहले ही पीएलए कमांडर झांग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। अखबार ने कहा कि झांग जुडोंग को पेट के साथ कैंसर की बीमारी से भी जूझना पड़ रहा था। आलम यह है कि पिछले नौ महीने में तीन बार चीन को अपने वेस्टर्न थिएटर कमांड के कमांडर को बदलना पड़ा है। चीनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की वेस्टर्न कमांड का मुख्यालय तिब्बत में स्थित है। चीनी सेना की यही कमांड भारत के लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैले लाइन ऑफ कंट्रोल पर तैनात हैं।

चीनी राष्ट्रपति के पसंदीदा थे जनरल झांग: चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पहले जून महीने में जनरल झांग की जगह पर इस पद पर जनरल शू क्यूलिंग को तैनात किया था। वहीं दो महीने बाद ही वेस्टर्न थिएटर कमांड की जिम्मेदारी जनरल वांग हैजियांग को सौंप दी गई। दिसंबर 2020 में जनरल झांग जुडोंग को कमांडर बनाया गया था। दो सैन्य सूत्रों ने बताया कि जनरल झांग जुडोंग 58 साल के थे और गत एक अक्टूबर को उनकी मौत हो गई। जून महीने में अपने पद से हटते समय जनरल झांग ने कोई कारण नहीं बताया था। चीनी सेना के एक सूत्र ने कहा कि जनरल झांग और शू दोनों ही उभरते हुए सितारे की तरह से थे। वे चीनी राष्ट्रपति के पसंदीदा जनरल थे और शी जिनपिंग उन पर बहुत ज्यादा भरोसा करते थे।

पूर्वी लद्दाख से हटने के बाद जनरल झांग को सीएमसी में रणनीतिक योजना कमिटी में भूमिका दी गई थी। इस बीच एक सैन्य सूत्र ने कहा कि भारत से लगे पश्चिमी थिएटर कमांड में तैनात सैनिकों और कमांडरों के स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को लेकर काफी चिंता है। उन्होंने कहा कि जनरल झांग की जहां मौत हो गई है, वहीं उनके बाद कमांडर बनाए गए जनरल शू भी बीमार चल रहे हैं। चीनी सूत्र ने कहा, जनरल शू भी पेट की बीमारी से जूझ रहे हैं। इसी वजह से उन्होंने पश्चिमी थिएटर कमांड का कमांडर बनाए जाने के मात्र दो महीने बाद ही अपने पद से इस्तीफ दे दिया। झोउ ने कहा, कम ऑक्सीजन में काम की स्थितियां, कम तापमान, पश्चिमी थिएटर कमांड के ऊंचाई वाले इलाके बहुत कठिन हैं।

म्यामांर में सेना पर विद्रोहियों का भीषण हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यंगून। म्यांमार में सेना पर घात लगाकर किए गए भीषण हमले में 40 सैनिकों की मौत हो गई है और 30 अन्य घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि नागरिक प्रतिरोध बल के लड़ाकुओं की ओर से किया गया यह हमला मंगलवार को मगवे इलाके में गंगाव कस्बे में हुआ। इस हमले को अंजाम देने वाले याव डिफेंस फोर्स ने बताया कि उसके सदस्यों ने एक सैन्य काफिले पर हमला किया जिसमें 50 वाहन शामिल थे।

वाईडीएफ ने म्यामांर के अखबार इरावडी को बताया कि उसने 14 बारुदी सुरंगों की मदद से सेना के काफिले को विस्फोट करके उड़ा दिया। इस दौरान सेना का काफिला गंगाव–पाले हाइवे से गुजर रहा था। संगठन ने बताया कि इस हमले में 40 सैनिकों की मौत हो गई है और 30 अन्य घायल हो गए हैं। इस हमले में एक हथियारबंद कार को भी नुकसान पहुंचा है। इरावडी ने इतने सैनिकों के मारे जाने की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं की है।

कुख्यात सैन्य कमांडर को पीडीएफ के सफाए का जिम्मा: विद्रोही संगठन ने लोगों से अपील की है कि वे गंगाव काले और गंगाव हटिलिन हाइवे से दूर रहें क्योंकि सेना के साथ पीपल्स डिफेंस फोर्स के बीच गोलीबारी के शिकार हो सकते हैं।

जिसने 14 साल पहले बचाया, गुरिल्ला ने उसी की गोद में ली आखिरी सांस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) किंशासा। साल 2019 में एक पहाड़ी गुरिल्ला खूब फेमस हो गई था जब उसकी केयरटेकर के साथ ली सेल्फी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। इस गुरिल्ला का स्वैगर देखते ही बन रहा था और लोगों ने इसे खूब प्यार दिया था। हालांकि, करीब एक महीने पहले लंबी बीमारी झेलने के बाद इस गुरिल्ला ने अपने केयरटेकर की गोद में ही दम तोड़ दिया। यह गुरिल्ला 10 साल से कॉन्गो के इसी विरुंगा नैशनल पार्क में रह रही थी। दाकासी की उम्र 14 साल थी। नैशनल पार्क की ओर से यह दुखद जानकारी दी गई। दाकासी अनाथ थी और पार्क के सेंक्वेक्वे सेंटर में रह रही थी। उसने केयरटेकर से दोस्त बन चुके आंद्रे बॉमा की गोद में दम तोड़ा।

अमेरिका ने अपने परमाणु बमों की संख्या का किया खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग ने 2018 के बाद पहली बार देश के भंडार में परमाणु हथियारों की संख्या का खुलासा किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय परमाणु सुरक्षा प्रशासन (एनएनएसए) द्वारा दी गई एक रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2020 तक अमेरिका के पास 3,750 वॉरहेड हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा परमाणु बम रूस और अमेरिका के पास हैं।

एनएनएसए ने कहा, 'यह संख्या वित्तीय वर्ष 1967 के अंत में अपने अधिकतम (31,255) से भंडार में लगभग 88 प्रतिशत की कमी का प्रतिनिधित्व करती है, और 1989 के अंत में बर्लिन की दीवार गिरने पर इसके स्तर (22,217) से लगभग 83 प्रतिशत की कमी का प्रतिनिधित्व करती है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि भंडार में 'सक्रिय' और 'निष्क्रिय' दोनों हथियार शामिल हैं, जिसमें कहा गया है कि कुछ 2,000 अतिरिक्त हथियार वर्तमान में सेवानिवृत्त हैं और निराकरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इस खुलासे ने परमाणु भंडार के आकार को वर्गीकृत करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा शुरू की गई नीति को उलट दिया है। अमेरिका ने आखिरी बार 2018 में जब परमाणु भंडार के आकार का खुलासा किया था, तो साल 2017 में आकार 3,822 वारहेड के रूप में बताया गया था। दुनिया के अधिकांश परमाणु हथियार अमेरिका और रूस के पास हैं।

वॉशिंगटन, डीसी स्थित थिंक टैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, 90 प्रतिशत से अधिक वैश्विक परमाणु हथियार दोनों देशों के पास हैं।

दुबई के शासक को ब्रिटिश कोर्ट से बड़ा झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मक्तूम को इजरायली सॉफ्टवेयर पेगासस के जरिए जासूसी करवाने के मामले में बड़ा झटका लगा है। ब्रिटेन की एक अदालत ने कहा है कि शेख मोहम्मद ने अपनी पूर्व पत्नी राजकुमारी हाया बिंत अल हुसैन की इजरायली सॉफ्टवेयर की मदद से जासूसी कराई थी। हाई कोर्ट ने पाया कि लंदन में विवादित तलाक मामले में सुनवाई के दौरान राजकुमारी हाया और उनके वकीलों के फोन को हैक किया गया था। शेख मोहम्मद यूएई के उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री हैं। कोर्ट के आदेश में कहा गया है कि दुबई के शासक ने राजकुमारी हाया के फोन को हैक करने के लिए अपनी अनुमति दी थी। वह भी तब जब करोड़ों रुपये का यह पेगासस सॉफ्टवेयर केवल राष्ट्रीय सरकारों के लिए ही उपलब्ध था। जज एंड्रयू मैकफारलेन ने निष्कर्ष के तौर पर कहा कि शेख मोहम्मद जिसे हासिल करना सही मानते थे, उसके लिए अपनी सारी सरकारी मशीनरी लगा दी।